नवभारत 09
सतना, गुरुवार, 14 मई, 2026

चित्रकूट के पंचमुखी मड़फा महादेव के दर्शन मात्र से मिलती है पुनर्जन्म से मुक्ति

ढ़ाई सौ मीटर ऊंची मड़फ़ा पहाड़ी पर स्थित है भगवान शिव का पौराणिक मंदिर, प्रति वर्ष दर्शन के लिए लगता है लाखों शिवभक्तों का मेला

अमर, सिंह राठौर चित्रकूट

मध्य प्रदेष स सीमा उत्तर प्रदेश का चित्रकूट पौराणिक तीर्थ के रूप में विख्यात है जहां भगवान श्रीराम की तपोभूमि और इसके गर्भ में अनेक रहस्मयी स्थल विराजमान है। धर्म नगरी के भरतकूप क्षेत्र में घने जंगलों के बीच करीब ढ़ाई सौ मीटर ऊंची पहाड़ी पर स्थित मड़फ़ा में आदि ऋषि मांडव्य का आश्रम है। इस प्राचीन आश्रम में नृत्यमुद्रा में विराजमान पंचमुखी भगवान शिव की महिमा का बखान वेदों और पुराणों में भी मिलता है। इस दिव्य धाम के बारे में मान्यता है कि भगवान शिव की पूजा और आराधना करने से पुनर्जन्म से मुक्ति मिलती है।

वनवास काल में साढ़े ग्यारह सालों तक भगवान श्रीराम की तपोभूमि रही चित्रकूट विश्व के अनादि, अचल और ऐतिहासिक पावन तीर्थो में से एक है। इस प्राचीन धर्मस्थली में स्वयं सृष्टि के रचयिता भगवान ब्रम्हा समेत अगस्त, अत्रि, बाल्मीकि आदि प्रख्यात ऋषि-मुनियों ने तपस्या की है। इसी वजह से ब्राम्हांड के सबसे श्रेष्ठ स्थल के रूप में चित्रकूट का नाम लिया जाता है।लगभग 84 कोस में फैले चित्रकूट में विविध प्रकार के शिखर (कूट) स्थित है। इसमें से एक भरतकूप क्षेत्र में घने जंगलो के बीच करीब ढ़ाई सौ मीटर ऊंची पहाड़ी पर स्थित मड़फा भी है। इसी पहाड़ पर आदि ऋषि मांडव्य जी का आश्रम है। इस प्राचीन आश्रम में भगवान शकर अपने पंचमुखी रूप में सशरीर विद्यमान हैं। नृत्यमुद्रा में विराजमान पंचमुखी भगवान शिव की महिमा का बखान वेदों और पुराणों में भी

मिलता है। घनघोर जंगल में स्थित इस शिवालय में उपासना करने से जहाँ लोगों के मन की मुरादें पूरी होती हैं। वही पुनर्जन्म से मुक्ति मिलने का भी उल्लेख है। इस दिव्य स्नान को लेकर ऐसी मान्यता है कि यहां पर ऋषि मांडव्य ने तपस्या की थी। इसी तपोस्थली पर महाराज दुष्यंत की पत्नी शकुंतला ने पुत्र भरत को जन्म दिया था। इसी तालाब के पास चंदेलकालीन वैभवशाली नगर के ध्वंशावशेष भी देखे जा सकते हैं। यहां पर जैन धर्म के प्रर्वतक आदिनाथ के भी यहां पर आने की बात कही जाती है। महाशिवरात्रि व सावन के साथ -साथ हर सोमवार को यहां सदियों से मेला लगता चला आ रहा है। धार्मिक, ऐतिहासिक और पौराणिक दृष्टि से महत्वपूर्ण इस प्राचीन धरोहर को केंद्रीय पुरातत्व विभाग द्वारा संरक्षित किया गया है। चित्रकूट के सुप्रसिद्ध संत दिव्य जीवन दास, मदन गोपाल दास महराज,राम हृदयदास महाराज, आचार्य नवलेश दीक्षित एवं डॉ रामनारायण त्रिपाठी ने मड़फा धाम की महिमा का बखान करते हुए बताते हैं कि देवराज इंद्र ने वेदवती नामकी अपूर्व सुंदरी अप्सरा को कोढ़ (कुष्ठ) होने का शाप दिया था। शापग्रस्त अप्सरा के अनुनय विनय करने पर इंद्र ने माण्डव ऋषि के आश्रम में स्थित न्यग्रोध कुंड में स्नान करके वहां विराजमान पंचमुखी भगवान शिव की उपासना से शापमुक्त होने का मार्ग बताया था। आज भी देश भर से लोग कुष्ठ निवारण के लिए यहां आते है। यहां स्थापित पंच मुखी शिव के दर्शन और उपासना करने से पुनर्जन्म से मुक्ति मिलने की मान्यता है। चित्रकूट के जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने बताया कि उत्तर प्रदेष सरकार प्रभु श्रीराम की तपोभूमि चित्रकूट के धार्मिक व पौराणित तीर्थ स्थलों के पर्यटन विकास के प्रति संकल्पित है। उन्होने बताया कि चित्रकूट के सभी पौराणित स्थलों के विकास के लिए कार्य हो रहे है। उन्होने बताया कि मड़फा भगवान शिव का प्राचीन धाम है। इसके पर्यटन विकास की विस्तृत कार्य योजना बनाकर षासन को भेजने के संयुक्त निदेषक पर्यटन को निर्देषित किया गया है।

जनगणना में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रगणक व पर्यवेक्षक सम्मानित

नवभारत न्यूज

जैतवारा, 13 मई । आज दिनांक 13 मई 2026 को चार्ज अधिकारी एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद जैतवारा द्वारा नगर के समस्त वार्डों में चल रहे एचएलबी जनगणना कार्य का निरीक्षण एवं भ्रमण किया गया।

निरीक्षण के दौरान विभिन्न वार्डों में प्रगति की समीक्षा करते हुए कम कार्य प्रगति वाले प्रगणकों को निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। साथ ही सभी प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को जनगणना कार्य को गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर समय सीमा से पूर्व उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। अधिकारियों ने कहा कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्य में सभी कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी एवं समर्पण अत्यंत आवश्यक है।

उक्त कार्यक्रम में मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं चार्ज अधिकारी पंजाब सिंह, एकाउंटें रामराज डोहर, जनगणना लिपिक लवलेश शर्मा, निखिल सूर्यवंशी एवं पर्यवेक्षक विष्णु प्रकाश विश्वकर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने जनगणना कार्य को समयबद्ध एवं सफलतापूर्वक पूर्ण करने का संकल्प लिया।

` प्रगणकों का किया गया सम्मान

रामपुर बाघेलान। भारत सरकार द्वारा मकान सूचीकरण का कार्य पूरे देश में 1 मई 2026 से प्रारंभ किया गया है जिसमें चार्ज अधिकारी नगर परिषद रामपुर बाघेलान के द्वारा नगर परिषद के 15 वार्डो में 23 जनगणना ब्लॉक निर्धारित किए गए जिसमें प्रगणकों और सुपरवाइजरों के बीच समन्वय बनाते हुए सभी प्रगणको ने कार्य प्रारम्भ किया। जिन प्रगणकों ने अपना कार्य पूरा कर लिया है उन्हें चार्ज अधिकारी नगर परिषद रामपुर बाघेलान के द्वारा नगर परिषद कार्यालय में सम्मानित किया गया। जनगणना ब्लॉक 4 और ब्लॉक 8 के साथ दो अन्य ब्लॉक का कार्य पूरा कर लिया गया। चार्ज अधिकारी नगर परिषद रामपुर बाघेलान ने उन सभी प्रगणको का मुंह मीठा करते हुए सम्मानित किया गया।

जिले में अव्वल रहे प्रदीप कुमार सिंह

रामनगर । ग्रामीण क्षेत्र में सीमित संसाधनों और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद मैहर जिले के रामनगर ब्लॉक के प्राथमिक शाला मौहासा के शिक्षक प्रदीप कुमार सिंह ने जनगणना कार्य को 6 मई को पूर्ण कर जिले में पहला स्थान हासिल किया है। वहीं माध्यमिक शाला देवरी कला के शिक्षक प्रदीप पटेल ने भी निर्धारित समय से पहले जनगणना कार्य पूरा कर सराहनीय कार्य किया। ग्रामीण अंचल में घर-घर पहुंचकर जिम्मेदारीपूर्वक कार्य पूरा करना आसान नहीं था, लेकिन दोनों शिक्षकों ने अपनी मेहनत, लगन और कर्तव्यनिष्ठा से यह साबित कर दिया कि समर्पण के साथ हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। शिक्षा विभाग और प्रशासन ने दोनों शिक्षकों के कार्य की प्रशंसा की है।

भंडारे के साथ हुआ भागवत कथा का विश्राम

नवभारत न्यूज

अमरपाटन 13 मई। सतना रोड स्थित कान्हा टिम्बर में दिनांक 6मई से आयोजित भागवत कथा का समापन विशाल भंडारे के, साथ संपन्न हुआ।

अन्तरराष्ट्रीय कथा व्यास श्री गुरु प्रसन्न दास जी महाराज रहे ।सात दिवसीय कथा में कथा व्यास जी ने भगवान के विभिन्न लीलाओं की कथा का वर्णन कर उपस्थित श्रोताओं में भक्ति भाव से सरोबार कर दिया मुख्य यजमान काशी प़साद गुप्ता वा उनकी धर्मपत्नी श्रीमती रामरती गुप्ता समेत उपस्थिति श्रोताओं भक्ति के रस में डूबे रहे।कथा श्रवण के लिये आने वालों कथा रसिकों के स्वागत सत्कार में गुप्त परिवार पूरे मनोयोग से सेवा में लगे रहते हुवे विशाल भंडारे का आयोजन किया जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर भंडारे का प़साद ग़हण किया।

चित्रकूट सड़क निर्माण में ठेकेदार की मनमानी

नवभारत न्यूज

चित्रकूट 13 मई। चित्रकूट नगरी में विकास के नाम पर लीला खेली जा रही है वह चित्रकूट के आम नागरिकों तथा बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को इस सड़क चौड़ी करण निर्माण कार्य अब जनता और तीर्थयात्रियों के लिए जी का जंजाल बनता चला जा रहा है। और रोज प्रतिदिन दर्जनों लोग सड़क हादसे की शिकार हो रहे हैं ।

स्थानीय चित्रकूट के लोग इसके पमाण है ठेकेदार की मनमानी लगातार जारी है तो वही जिम्मेवार स्थानीय अधकारी आंखे मूंदे हुए हैं। गौरतलब है कि सड़क निर्माण ठेकेदार द्वारा एक तरफसे काम पूरा करने की जगह कही यहां तो कहीं वहां काम करने की नीति अपनाई गई है। और जगह जगह सड़क को खोद कर फेंक दिया गया है यूनियन बैंक ऑफ़इंडिया जानकी कुंड के समने चित्रकूट ग्राम कामता स्थित कामतानाथ मंदिर को जाने वाले मुख्य मार्ग पर गौरी हर मंदिर तिराहा के पास बीते लगभग 4 माह से नाली निर्माण अधूरा पड़ा है। जबकि चित्रकूट आन वाले लाखों तीर्थयात्रियों का यह मुख्य मार्ग है। प्रत्येक अमावस्या मेला पर्व के दौरान ही लाखो तीर्थयात्रियों का आवागमन इसी मार्ग से होता है। बावजूद इसके अधूरे पड़े नाली निर्माण को लेकर ठेकेदार की तरफ से कुछ भी नहीं किया जा रहा है। पूर्व में इस जगह सड़क किनारे लगे विद्युत पोल को अवरोध बताया जा रहा था अब जबकि विद्युत पोल को हटे भी लगभग डेढ़ माह से अधिक हो गया बावजूद नाली निर्माण अधूरा है।

पांच माह में सौ कदम ही चली करहीकला में निर्माण कार्यों की जांच

नवभारत न्यूज

सतना 13 मार्च। यह बात सुनने में थो?ा जरूर अजीब सी लग रही होगी लेकिन जनपद पंचायत उचेहरा के काबिल अधिकारियों की इस कार्यगुजारी को जिसने भी सुना जाना वह सब हैरान रह गये लेकिन यहां हैरानी नही बल्कि जनपद के अधिकारियों की मेहरबानी का यह नतीजा सामने है कि 5 महीने में भी नहीं हुई जांच किसी ने सच कहा हैं कि सब गोल माल है भई सब गोलमान है।

जनपद के करहीकला पंचायत में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की जांच के लिए 2 जनवरी 26 को तीन सदस्यीय जांच टीम गई थी लेकिन अभी तक यह जांच पूरी नहीं हुई केवल फाइलों में यह जांच चल रही है इस बात का खुलासा आर टी आई से मिले रिकार्ड से हुआ है। जांच टीम में जनपद की तकनीकी जानकार एस डी ओ मधु बा?री स्वयं थी उन्होंने 12 निर्माण कार्यों की जांच में प्रगतिरत कार्यो की

कमियां तो पाई और अपने पत्र क्रमांक 139 के अनुसार 3 दिवस के अंदर पंचायत के सरपंच / सचिव को गुणवत्ता विहीन हुए निर्माण कार्य की नस्ती ,बिल व्हाउचर ,माप पुस्तिका मंगाई और समय अवधि में उपलब्ध न होने पर 21- 1- 26 को जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को लिखे पत्र अनुसार वस्तुस्थित से अवगत करा दिया लेकिन यहां हैरानी की बात यह है कि जनपद की एस डी ओ और जनपद के मुख्य कार्य पालन अधिकारी के चैम्बर के बीच की दूरी बमुस्किल से तीन सौ मीटर से भी कम की होगी, लेकिन 5 महीने पहले हुई जांच अभी भी अटकी प?ी हुई है एक बात यहां और गौर करने वाली है कि एस डी ओ 12 निर्माण कार्यो की कमियां तो पाई थी लेकिन तत्कालीन उपयंत्री राज कुमार पांडेय को लिखे पत्र क्रमांक 558 के अनुसार उसमें कुल 6 बिंदु ही का उल्लेख है कि आप से द्वारा, 6 बिंदुओं का स्पष्ट प्रतिवेदन नहीं दिया गया लेकिन अब यहां एक और सवाल उठ रहा है कि 12 में केवल 6 बिंदुओं का जबाब नहीं मिला फिर आर टी आई में एक भी बिंदु का जबाब क्यों नहीं ? ज्ञात हो कि बीते दिसम्बर माह में ग्रामीणो ने करही कला सरपंच स्नेहलता

पुष्पेंद्रसिंह के घर के पास से धोबीयान मोहल्ला तक बनी पी सी रोड के घटिया निर्माण का मुद्दा उठाया था सोसल मीडिया और समाचार पत्रों के माध्यम से सरपंच की कार्यप्रणाली पर खुला आरोप लगाते ग्रामीणो ने कहा था की 6 माह पूर्व बनी रोड के परखच्चे उ? गए काबिलेगौर है कि जनपद से जब 2 जनवरी 26 को जांच टीम करहीकला गई थी तो ग्रामीणो ने पंचायत के और हुए घटिया निर्माण कार्यों को जांच टीम के समाने उठाया था उसी आधार पर जांच टीम ने कई मदो से हुये 12 निर्माण कार्यों को अपनी जांच में शामिल किया था अभी हाल ही में पंचायत ने सांषद गणेश सिंह जी के मुख्य अतिथि में होने वाले निर्माण कार्यों की आधार शिला रखी थी लेकिन अब भी ग्रामीणो का सवाल है कि जब सरपंच अपने मोहल्ले की रोड सही नही बनवा सकतीं तो इनसे पंचायत के होने वाले अन्य निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की उम्मीद कैसे की जा सकती है ।

एक नजर में

पटरी खोद कर डाल दिया जल जीवन मिशन की पाइप लाइन

कोटर। जल निगम के अधिकारियों की सरपरस्ती में निर्माण कंपनी के द्वारा रोड की पटरी में खुदाई कर पानी का पाइप डाल दिया । पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को भनक तक नहीं लगी एक्शन का तो सवाल ही नहीं है। वैसे भी पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को ऑफिस से ही फुर्सत नहीं है तो फील्ड में जाने की क्या जरूरत है। कि रोड किस हालत में है ? कौन रोड खोद रहा है और कौन रोड की चोरी कर रहा है और कौन रोड में नाला बनाए दे रहा है वैसे रोड की सुरक्षा एवं रख रखाव के लिए विभागीय अमला पदस्थ है लेकिन मैदान से नदारद है। जल जीवन मिशन की योजना हर घर नल हर घर जल सरकार के करोड़ों खर्च के बाद भी इस क्षेत्र के लोगों के लिए सपना बनकर रह गई।

गेहूं तौलाई के बाद भी किसानों को नहीं मिल रहा भुगतान

कोटर । जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के बाद भी किसानों को समय पर भुगतान नहीं मिलने का मामला लगातार सामने आ रहा है। किसानों का आरोप है कि कई खरीदी केंद्रों में गेहूं की तौलाई हुए कई दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक उनके खातों में राशि नहीं पहुंची है, जिससे उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस मुद्दे को लेकर युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव शिवम पाण्डेय ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार किसानों के हितों की बात तो करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर किसान परेशान हैं। उन्होंने कहा कि शादी-विवाह और खेती के कार्यों के लिए किसानों को पैसों की आवश्यकता है, लेकिन भुगतान में देरी होने से किसान कर्ज और आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। शिवम पाण्डेय ने मांग की है कि प्रशासन तत्काल किसानों के लंबित भुगतान की व्यवस्था करे और खरीदी केंद्रों की अव्यवस्थाओं पर कार्रवाई की जाए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द किसानों को भुगतान नहीं मिला तो युवा कांग्रेस किसानों के साथ आंदोलन करने को मजबूर होगी।

कांग्रेस के जिला प्रभारी का हुआ स्वागत

नागौद । अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सतना प्रभारी वीरेंद्र द्विवेदी के नागौद आगमन पर कांग्रेस संगठन ने बुके देकर और मिष्ठान खिलाकर स्वागत किया नागौद नवनियुक्त नगर अध्यक्ष एडवोकेट मुखतार अहमद सिद्दीकी को मिष्ठान खिलाकर बधाई दी गई नागेश मिश्रा ब्लॉक अध्यक्ष रोहिणी लोधी जिला अध्यक्ष प्रियंका कांग्रेस विनोद कुशवाहा समस्त कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

नाबालिग को बहकाकर भगा ले जाने वाले को चार साल की कठोर कारावास की सजा

चित्रकूट। नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में दोष सिद्ध होने पर सत्र न्यायाधीश शेषमणि ने आरोपी को चार वर्ष कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 5,000 रुपये अर्थदण्ड से भी दण्डित किया है।जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी श्याम सुंदर मिश्रा ने बताया कि बीती 14 जुलाई 2021 को एक व्यक्ति ने मऊ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार मऊ क्षेत्र के मोहिनी गांव के मजरा निजामपुर निवासी सुनील उसकी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर भगा ले गया था। पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज करने के बाद आरोपी सुनील को 14 दिसम्बर 2021 को गिरफ्तार करते हुए न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था।

शहर की सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं : प्रिंस

नवभारत न्यूज

मैहर 13 मई। मैहर नगर की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए मयहर नगर पालिका सीएमओ प्रिंस अग्रवाल लगातार सक्रिय नजर आ रहे हैं। इसी क?ी में मंगलवार को सीएमओ प्रिंस अग्रवाल अपनी पूरी टीम के साथ शहर के विभिन्न वार्डों के निरीक्षण पर निकले।

उन्होंने वार्ड क्रमांक 14, 15, 16, 17, 18 एवं 21 में पहुंचकर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया और संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक

दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सफाई दरोगा, छोटे सिह, मनोज प्रजापति सहित पूरी नगर पालिका टीम मौजूद रही। टीम ने वार्डों में फैली गंदगी, नालियों की सफाई एवं स्वच्छता व्यवस्था का निरीक्षण किया।

सीएमओ प्रिंस अग्रवाल ने कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शहर की सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने नियमित सफाई कराने, गंदगी हटाने तथा संक्रमण से बचाव के लिए पाउडर एवं ब्लीचिग डालने के निर्देश भी दिए।

सीएमओ के इस सघन निरीक्षण अभियान से नगरवासियों में उम्मीद जगी है कि आने वाले दिनों में शहर की सफाई व्यवस्था और अधिक बेहतर होगी। वहीं नगर पालिका की टीम भी पूरे उत्साह के साथ सफाई अभियान में जुटी नजर आई।

मंदाकनी नदी में रात 10 बजे के बाद नौका संचालन पूरी तरह प्रतिबंधित

नवभारत न्यूज

चित्रकूट 13 मई। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने उत्तर प्रदेश नाव सुरक्षा एवं नाविक कल्याण नीति-2020 के तहत मंदाकिनी के रामघाट में सभी नावों का अनिवार्य पंजीकरण कराने के निर्देश दिए हैं। जो 100 रुपये में नगर पालिका परिषद चित्रकूटधाम कर्वी करेगी।

प्रत्येक नाव पर पंजीकरण संख्या स्पष्ट रूप से लिखी जाएगी और बिना पंजीकरण वाली नावों पर सीज की कार्रवाई होगी। प्रशासन ने सुरक्षा मानकों को लेकर भी स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए हैं। डीएम पुलकित गर्ग ने बताया कि अब हर नाव में यात्रियों की संख्या के अनुसार लाइफ जैकेट, रस्सा, टार्च और प्राथमिक उपचार किट रखना जरूरी होगा। नाव चालक की आयु 18 वर्ष से अधिक होना और उसे तैराकी का ज्ञान होना भी अनिवार्य किया गया है।

कर्मयोगी नानाजी देशमुख और चित्रकूट से ग्रामोदय की ऐतिहासिक यात्रा

नवभारत न्यूज

चित्रकूट 13 मई। भारत के ग्रामीण क्षेत्रों को लेकर लंबे समय तक यह धारणा बनी रही कि गांव केवल गरीबी, अशिक्षा और पिछड़ेपन के प्रतीक हैं। लेकिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं प्रखर राष्ट्रचिंतक नानाजी देशमुख ने इस सोच को बदलने का कार्य किया। उन्होंने गांवों में केवल समस्याएं नहीं देखीं, बल्कि वहां भारत की आत्मा और राष्ट्र निर्माण की अपार संभावनाएं देखीं।

भारतीय जनसंघ के प्रमुख रणनीतिकारों में शामिल रहे नानाजी देशमुख ने सक्रिय राजनीति के शिखर पर पहुंचने के अवसरों को त्यागकर समाज सेवा और ग्रामोदय का मार्ग चुना। आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के बाद उन्होंने 60 वर्ष की आयु में राजनीति से संन्यास लेकर स्वयं को पूर्णत: ग्रामीण पुनर्निर्माण के कार्य में समर्पित कर दिया।

चित्रकूट को बनाया कर्मभूमि-नानाजी देशमुख ने अपने प्रयोगों के लिए चुना चित्रकूट का वह क्षेत्र, जो वर्षों से गरीबी, जल संकट, अशिक्षा और पलायन जैसी समस्याओं से जूझ रहा था। उन्होंने यहां केवल योजनाओं की घोषणा नहीं की, बल्कि गांवों में रहकर लोगों के साथ मिलकर कार्य किया। उनका स्पष्ट विश्वास था कि यदि गांव आत्मनिर्भर बनेंगे, तो भारत स्वत: मजबूत और समृद्ध बन जाएगा। इसी विचार के साथ उन्होंने ग्राम स्वावलंबन का ऐसा मॉडल विकसित किया, जिसकी चर्चा पूरे देश में होने लगी।

दीनदयाल शोध संस्थान बना परिवर्तन का केंद्र-ग्रामीण विकास के इस अभियान को संगठित स्वरूप देने के लिए दीनदयाल शोध संस्थान को मजबूत आधार प्रदान किया गया। संस्थान के माध्यम से कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास और जल संरक्षण जैसे क्षेत्रों में व्यापक कार्य प्रारंभ हुए।

ग्राम स्वावलंबन, शिक्षा और राष्ट्र निर्माण का अद्वितीय मॉडल

जल संरक्षण से बदली तस्वीर-चित्रकूट क्षेत्र लंबे समय तक जल संकट से प्रभावित रहा। नानाजी देशमुख के मार्गदर्शन में स्वयंसेवकों और ग्रामीणों ने मिलकर तालाब, छोटी बांध संरचनाएं, जलसंचयन एवं संरक्षण के अनेक कार्य किए। परिणामस्वरूप सूखे और बंजर क्षेत्र धीरे-धीरे हरियाली में बदलने लगे तथा कृषि उत्पादन में भी वृद्धि हुई। उन्होंने किसानों को जैविक खेती, उन्नत कृषि तकनीक और स्थानीय संसाधनों के उपयोग के लिए प्रेरित किया। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिली।

शिक्षा, संस्कार और स्वावलंबन का समन्वय-नानाजी देशमुख का मानना था कि विकास केवल भवनों और सड़कों के निर्माण से नहीं होता, बल्कि समाज में आत्मविश्वास, शिक्षा और संस्कार जागृत होने से होता है। इसी सोच के साथ बच्चों के लिए विद्यालय, युवाओं के लिए कौशल प्रशिक्षण तथा महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता कार्यक्रम संचालित किए गए। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा को रोजगार और सामाजिक चेतना से जोड़ने का प्रयास किया।

महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय की स्थापना-ग्रामीण विकास की इसी व्यापक अवधारणा को संस्थागत स्वरूप देने हेतु महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय की स्थापना हुई, जिसे भारत का प्रथम ग्रामीण विश्वविद्यालय माना जाता है। इस विश्वविद्यालय की स्थापना का उद्देश्य था—गांवों की आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षा, अनुसंधान और प्रशिक्षण की व्यवस्था विकसित करना।विश्वविद्यालय में कृषि, ग्रामीण विकास, सामाजिक कार्य, ग्राम प्रबंधन, जैविक खेती, पंचायती राज, पर्यावरण और स्वावलंबन आधारित शिक्षा पर विशेष बल दिया गया। यहां शिक्षा को केवल डिग्री प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि ग्रामोदय और राष्ट्रोदय का साधन माना गया।

राष्ट्र ने किया सम्मान-चित्रकूट मॉडल की चर्चा देश और विदेश तक पहुंची। अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने यहां के विकास मॉडल का अध्ययन किया। राष्ट्र निर्माण और ग्रामीण उत्थान में उनके अतुलनीय योगदान के लिए भारत सरकार ने नानाजी देशमुख को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से अलंकृत किया। किन्तु उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान ग्रामीण समाज का विश्वास और आत्मीयता थी।

राष्ट्र निर्माण का जीवंत उदाहरण-नानाजी देशमुख ने उपेक्षित ग्रामीण क्षेत्रों को आत्मनिर्भर भारत के आदर्श मॉडल के रूप में विकसित करने का प्रयास किया।नानाजी देशमुख का जीवन यह संदेश देता है कि राष्ट्र निर्माण केवल संसदों और महानगरों में नहीं होता, बल्कि गांवों की मिट्टी, श्रम और समाज की सहभागिता से भी होता है। जब कोई स्वयंसेवक सत्ता नहीं, बल्कि समाज को चुनता है, तब इतिहास केवल लिखा नहीं जाता—वह जिया जाता है।

प्रस्तुति; डॉ जय प्रकाश शुक्ल, चित्रकूट।